नाम : _____ कक्षा : _____

चालाक लोमड़ी और मूर्ख कौवा

एक भूखी लोमड़ी जंगल में घूम रही थी। उसे खाने को कुछ नहीं मिला। चलते-चलते उसने एक कौवे को देखा, जिसके मुँह में रोटी का टुकड़ा था। लोमड़ी ने सोचा, "मैं इस कौवे से रोटी कैसे लूँ?" लोमड़ी ने एक तरकीब सोची।
वह कौवे के पास गई और बोली, "कौवा भाई, तुम कितने सुंदर हो! तुम्हारी आवाज़ भी बहुत मीठी है। क्या तुम एक गाना गाकर सुनाओगे?"
कौवे ने अपनी तारीफ सुनी तो वह बहुत खुश हुआ। वह गाना गाने के लिए जैसे ही चोंच खोली, रोटी का टुकड़ा नीचे गिर गया।
लोमड़ी ने झट से रोटी उठाई और हँसते हुए बोली, "मूर्ख कौवे, चापलूसी से बचो!"

नैतिक शिक्षा: चापलूसी या झूठी तारीफ से दूर रहो।

प्रश्न -उत्तर

1 . कौवे के मुँह में क्या था?

उत्तर:_____

2 . लोमड़ी ने कौवे से क्या कहा?

उत्तर:_____

3 .रोटी का टुकड़ा नीचे क्यों गिरा?

उत्तर:_____